

XXXIX(a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक -- निग0 204--दो/04

दिनांक -- 11/11/13

स्थान
दिनांक

लक्ष्यकर्ता का नाम

पक्षकर्ता
अभिमानक
किस प्रकार

11/11/13

प्रकरण का अवलोकन किया। यह निग0 नायब तहसीलदार सीहोर द्वारा प्र0क0 15/अ-70/2012-13 में पारित आदेश दिनांक 11-11-13 के विरुद्ध म0प्र0 भू-राजस्व संहिता, 1959 के अंतर्गत आगे संहिता की धारा 50 के तहत प्रस्तुत की गई है। माधोच्य अंतरिम आदेश द्वारा नायब तहसीलदार ने आवेदक द्वारा संहिता की धारा 250(3) के तहत प्रस्तुत आवेदन को निरस्त किया गया है।

2. उभयपक्षों के विद्वान अधिवक्ताओं के द्वारा माहयता के विदु पर दिए गए तर्कों पर विचार किया एवं अभिलेख का तथा आलोच्य आदेश का परिश्रम किया। यह प्रकरण आवेदक की भूमि का अनावेदक का अधिपत्य हटाने के संबंध में विचारण न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। आवेदक द्वारा अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष अंतरिम रूप से वादग्रस्त भूमे का कब्जा दिलार जाने का अनुरोध किया गया जिस पर उभयपक्षों द्वारा प्रस्तुत उल्लेख और तर्कों पर विचार करके अधीनस्थ न्यायालय ने यह पाया है कि संहिता की धारा 250(3) के अनुक्रम में अनुतोश हेतु जा आवेदन पेश किया गया है जिसमें 6 माह के भीतर आवेदक को हटाने का प्रमाण नहीं है इसलिए उन्ने आवेदन निरस्त करते हुए मूल आवेदन जो कि संहिता की धारा 250 के अंतर्गत है साक्ष्य हेतु प्रकरण नियत किया है। प्रकरण की वैधानिक स्थिति का देखते हुए विचारण न्यायालय का आदेश उनके क्षेत्राधिकार में प्रोकर पृष्टि टोर है, अतः में ऐसी कोई विधिक या सारवान त्रुटि प्रोकर नहीं जाती है जिस कारण प्रमाण उपरोक्त आवश्यक हो। परिणामतः यह प्रमाण उपरोक्त माहयता की उल्लेख सक्षम सूचित हों एवं अधीनस्थ न्यायालयों के अभिलेख वापिस हो।

(एम.के सिंह)

मदरस

राजस्व मंडल म0प्र0 ग्वालियर

